सांध्य दैनिक 4PM

मनुष्य को सिर्फ रोटी के लिए नहीं जीना चाहिए बल्कि ईश्वर के मुख से निकले हुए हर शब्द के मुताबिक जीना चाहिए।
-जीसस क्राइस्ट

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 146 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 1 जुलाई, 2022

भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर... 2 | आजमगढ़-रामपुर के बाद रायबरेली... 3 | बागियों की वोटिंग रोकें: शिवसेना... 8

पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी का मामला

नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट की फटकार कहा, आपके बयान से बिगड़ा देश का माहौल, टीवी पर मांगनी चाहिए माफी

» उदयपुर की घटना के लिए नूपुर के खिलाफ नाराजगी है जिम्मेदार

» जान पर खतरा बताते हुए केस ट्रांसफर करने की मांग वाली याचिका को किया खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी मामले में भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा को सुप्रीम कोर्ट ने आज कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि नूपुर शर्मा के बयान के कारण देश का माहौल बिगड़ा। वह एक पार्टी की प्रवक्ता हैं, इसका मतलब यह नहीं कि वे कुछ भी बोल सकती हैं। हमने टीवी डिबेट को देखा है। उनको भड़काने की कोशिश की गई लेकिन उसके बाद उन्होंने जो कुछ कहा वह शर्मनाक है। उन्हें टीवी पर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। कोर्ट ने केस ट्रांसफर करने की मांग वाली याचिका को भी खारिज कर दिया है।

नूपुर शर्मा के वकील मनिंदर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उनकी मुवक्किल की जान को खतरा है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उन्हें खतरा है या वह सुरक्षा के लिए खतरा बन गई हैं? कोर्ट ने कहा कि उनकी टिप्पणी ने देश भर में लोगों की भावनाओं को भड़का दिया है। आज जो कुछ देश में हो रहा है, उसके लिए वे जिम्मेदार हैं। उदयपुर में हुई घटना के लिए भी उनके खिलाफ नाराजगी ही जिम्मेदार है जहां एक दर्जी की हत्या कर दी गई थी। टीवी चैनल और नुपुर शर्मा का क्या काम है, जो एक एजेंडे को बढ़ावा देने के अलावा, जो मामला विचाराधीन है, उस पर चर्चा करें?

टीवी डिबेट में नूपुर शर्मा की टिप्पणी ने लोगों की भावनाओं को भड़काया

वकील ने जब उनकी क्षमा याचना और पैगंबर पर की गई टिप्पणियों को वापस लेने की बात कही तो पीठ ने कहा कि वापस लेने में बहुत देर हो चुकी थी। गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी को लेकर भाजपा से निलंबित हो चुकीं नूपुर शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। नूपुर ने अपनी अर्जी में जान से मारने की धमकी का हवाला देते हुए उनके खिलाफ देशभर के अलग-अलग राज्यों में तमाम केस को दिल्ली ट्रांसफर करने की मांग की थी। बीते दिनों उन्होंने दिल्ली पुलिस से सुरक्षा भी मांगी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को खारिज करते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने का सुझाव दिया।

क्या है मामला

भाजपा प्रवक्ता रहीं नूपुर शर्मा ने हाल में एक टीवी डिबेट में पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी की थी। इसका काफी विरोध हुआ था। कुवैत, यूएई, कतर समेत तमाम मुस्लिम देशों ने उनके बयान की आलोचना की थी। इसके बाद भाजपा ने नूपुर शर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया था। नूपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी को लेकर देश के कई हिस्सों में हिंसक प्रदर्शन भी हुए थे।

दिल्ली पुलिस पर भी उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि नूपुर शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज होने के बाद दिल्ली पुलिस ने क्या किया? कोर्ट ने कहा कि उसकी शिकायत पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, लेकिन कई एफआईआर के बावजूद उन्हें अभी तक दिल्ली पुलिस ने छुआ तक नहीं है।

अखिलेश ने मेधावियों को लैपटॉप बांटकर मनाया अपना जन्मदिन

▶ कार्यकर्ताओं ने काटा केक, बधाई देने वालों का लगा रहा तांता

» कहा, सरकार चाहे तो सभी छात्रों को दे सकती है लैपटॉप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटोः सुमित कुमार

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मेधावियों को लैपटॉप वितरित कर आज अपना 49वां जन्मदिन मनाया। उनके जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने केक काटे और भंडारे का आयोजन किया। रक्तदान करने के साथ अस्पतालों में मरीजों को फल वितरित किए गए। वहीं सपा प्रमुख को सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

अपने जन्मदिन के मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा में एक से पांचवां स्थान पाने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप दिए। उन्होंने कहा कि हम तो कुछ ही लोगों को लैपटॉप दे सकते हैं। सरकार चाहे तो सभी छात्रों को लैपटॉप दे सकती है। सरकार को बच्चियों को स्कूटी भी देनी चाहिए। हम इसके जरिये सरकार को याद दिला रहे हैं कि वह अपना वादा निभाए। उन्होंने मेधावी छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि जो मेहनत करते हैं उन्हें फल जरूर मिलता है। समाज की सेवा करें और सपनों को पूरा करें।

सीएम योगी ने दी बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन पर फोन कर बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने बधाई का ट्वीट भी किया है। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं।

सीएम ने किया संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ, बोले

दिमागी बुखार पर नियंत्रण सामूहिक प्रयास का परिणाम

» 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का है संकल्प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से प्रदेश व्यापी विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में दिमागी बुखार (इंसेफेलाइटिस) से होने वाली मौतों पर 95 प्रतिशत तक नियंत्रण पा लिया गया है। यह सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। अब हमें बची पांच प्रतिशत बीमारी पर भी नियंत्रण प्राप्त कर इंसेफेलाइटिस का पूर्ण उन्मूलन करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक स्वास्थ्य सिर्फ उपचार का नाम नहीं है बल्कि इसमें जागरूकता, अंतर विभागीय समन्वय व टीम वर्क का योगदान होता है। इसका परिणाम है कि आज पूर्वी यूपी दिमागी बुखार से उन्मूलन की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने के संकल्प के साथ अभियान शुरू किया है। यदि यूपी टीबी से मुक्त हो गया तो भारत को इससे मुक्त होने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

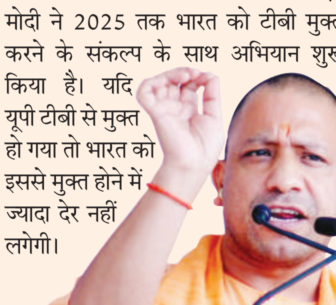

भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही सरकार : बृजेश पाठक

» सपा पर साधा निशाना, उदयपुर हत्याकांड के हत्यारों को मिलनी चाहिए फांसी की सजा

» महाराष्ट्र में अब बनी है जनभावनाओं वाली सरकार, इलाज में लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने वाराणसी दौरे के दौरान कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भ्रष्टाचार और अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के तहत काम कर रही है।

सपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें अभी रसातल में धकेला है और अब वह समाप्त होने के कगार पर हैं। वरुणा पर पूर्व सीएम के ट्वीट पर बोले, अखिलेश के पास ट्वीट करने के अलावा कुछ बचा नहीं है और इसलिए ध्यान देने की जरूरत नहीं है। महाराष्ट्र में सत्ता पलट पर कहा कि महाराष्ट्र में अब जनभावनाओं के अनुरूप सरकार बनी है। उपमुख्यमंत्री ने उदयपुर की घटना पर दुख जताते हुए कहा कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा और हत्यारों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। जिन पुलिसकर्मियों ने लापरवाही बरती है, उनपर भी कार्रवाई हो। भाजपा पीड़ित परिवार के साथ है। उन्होंने मानसिक अस्पताल में रोगियों की मौत पर व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया। कहा कि हमारे लिए मरीज भगवान के समान हैं। यदि कोई भी अस्पताल लापरवाही करता है तो बख्शा नहीं जाएगा। कोरोती स्थित निजी अस्पताल में डॉक्टर की लापरवाही से नवजात की मौत सम्बंधी वीडियो वायरल होने की बात पर उन्होंने जांच कराने को कहा।

डिप्टी सीएम ने किया सीएचसी का औचक निरीक्षण, गंदगी देख लगाई फटकार

जौनपुर। उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक गुरुवार को अचानक जौनपुर के जलालपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) रेहटी पहुंच गए। सीएचसी परिसर में गंदगी देखकर डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को फटकार लगाई। इसके साथ ही उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर चेक किया और चिकित्सा संबंधी व्यवस्थाओं का हाल जाना। बिना किसी पूर्व सूचना के जब डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक जब शाम चार बजे के करीब सीएचसी पहुंचे तो स्वास्थ्य विभाग में खलबली मच गई। उन्होंने अस्पताल में औचक निरीक्षण की कार्रवाई अपने फेसबुक पेज से लाइव कर दिया जिससे स्वास्थ्य कर्मियों में हड़कंप मच गया।

डिप्टी सीएम ने इमरजेंसी वार्ड, प्रसव कक्ष, 30 बेड का वार्ड समेत पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। अस्पताल में सुविधाओं, व्यवस्थाओं और समस्याओं को लेकर अधीक्षक डा. मनोज सिंह से जानकारी ली। सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि विद्युत आपूर्ति महज 12 से 13 घंटा मिलने से ऑक्सीजन प्लांट नहीं चल पाता है। डीजल का बजट नहीं, जिसकी वजह से जनरेटर नहीं चल पाता है। अधीक्षक ने बताया कि अस्पताल में 140 प्रकार की दवाएं उपलब्ध हैं।

आठ को एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश होंगे आजम खां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता आजम खां अब मुरादाबाद के एमपी एमएलए कोर्ट में एक मामले में पेश होंगे। दरअसल, छजलैट थाना क्षेत्र में हरिद्वार हाईवे जाम करके प्रदर्शन करने को लेकर सपा नेताओं पर मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही थी। वादी पक्ष की गवाही पूरी होने के बाद अब बचाव पक्ष के बयान कोर्ट में दर्ज किए जाएंगे। कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए आठ जुलाई की तारीख दी है।

साल 2008 में छजलैट थाना क्षेत्र में रामपुर सदर से विधायक आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की गाड़ी रोककर पुलिस ने तलाशी ली थी। इस घटना के विरोध में आजम खां के साथ ही उनके समर्थकों ने विरोध करते हुए हाईवे को जाम कर दिया था। पुलिस ने नौ से अधिक सपा नेताओं के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले जांच करके सभी आरोपितों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी थी। इस मुकदमे की सुनवाई एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है। विशेष लोक अभियोजक मोहनलाल विश्नोई ने बताया कि गुरुवार को आरोपितों की ओर से कोर्ट में स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया था। कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को स्वीकर करते हुए अगली सुनवाई के लिए आठ जुलाई की तारीख दी है। अगली सुनवाई में आरोपित पक्ष के बयान दर्ज किए जाएंगे।

भाजपा राज में अपराध हुए कम : केशव

» कांग्रेस का मतलब कुशासन, बीजेपी का मतलब सुशासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजस्थान के उदयपुर में हुई कन्हैयालाल की हत्या पर हर कोई निंदा कर रहा है। सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग हो रही है। अब इस मामले की जांच के लिए एनआईए की टीम पहुंच गई है। हालांकि अब इस पूरे मामले को लेकर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कांग्रेस पर तंज कसा है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि 'यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और निर्मम हत्या हुई है।

इस तरह की घटनाएं देश बर्दाश्त नहीं कर सकता है। इस तरह के लोगों पर कानूनन कार्रवाई तो होगी ही लेकिन ऐसे लोगों के लिए भारत में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। इसके साथ ही केशव प्रसाद मौर्य ने अशोक गहलोत सरकार से दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाने की मांग की है। उन्होंने कहा योगी राज में अगर ऐसी घटनाएं होती तो आरोपियों को कड़ा सबक मिलता। यूपी में इस तरह की घटनाओं को अंजाम नहीं दे सकता क्योंकि यूपी में अब बुलडोजर चलता है। उन्होंने कहा भाजपा राज में ही अपराध कम हुआ है और अगर राजस्थान में अपराध को रोकना है तो आने वाले चुनाव में भाजपा की सरकार बनवानी होगी वहां के लोगों को तो ही ऐसी अपराधियों को कठोर सजा मिलेगी। यूपी के उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि राजस्थान सरकार को ऐसे अपराधियों के लिए स्पेशल कोर्ट गठित कर कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि भाजपा मतलब सुशासन और कांग्रेस मतलब कुशासन है। अभी वहां कुशासन है और भाजपा की सरकार आएगी तो सुशासन आएगा।

शिवसेना के अंदर विभाजन होने से महाराष्ट्र में सफल हुई भाजपा

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की, वो मुख्यमंत्री बन गए महाराष्ट्र के। किसी को अंदाजा नहीं था कि बीजेपी ये दांव चल सकती है। बीजेपी का ये दांव मास्टर स्ट्रोक है। अब देखना होगा कि देवेंद्र फडणवीस की क्या भूमिका रहेगी महाराष्ट्र में। साथ ही सवाल उठता हैं कि महाराष्ट्र में तो खेला हो गया अब किस राज्य की बारी है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार तुलसीदास भोइटे, परंजॉय गुहा ठाकुरता, शीतल पी सिंह, डॉ राकेश पाठक, आनंद मणि त्रिपाठी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा बीजेपी अंततः राजनीतिक उद्देश्यों पर सफल हो ही गई। महाराष्ट्र में उलटफेर कर ही दिया। ऐसा ब्लूप्रिंट तैयार किया कि सब भौचक्के रह गए। शिवसेना अपने लोगों को नहीं बचा पाई इसलिए सरकार गिर गई।

शीतल पी सिंह ने कहा ये बड़ा सूझबूझ फैसला है भाजपा का। इस्तीफा देने के बाद उद्धव सिमपैथी बटोर रहे थे, मगर शिंदे के सीएम बनने से शिवसेना में और टूट होगी, ये आगे देखना होगा।

तुलसीदास ने कहा भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि ठाकरे की ब्रांडिग रोकने के लिए देवेंद्र फडणवीस को उतारना ठीक नहीं है। शिंदे के सीएम बनने से हम फडणवीस के जरिए बाहर से सारे काम करा सकेंगे।

परंजॉय गुहा ने कहा उद्धव ठाकरे बाला साहेब ठाकरे के बेटे ने विधानसभा में बोला था कि धर्म के नाम पर राजनीति मत करिए। सच बात तो ये है कि महाराष्ट्र में भाजपा इसलिए सफल हुई है कि शिवसेना के अंदर विभाजन हुआ है।

आनंद मणि त्रिपाठी ने कहा कि गहलोत सरकार के अभी डेढ़ साल बचे हैं। पायलट भी मजबूत नेता बनकर उभरे हैं। फिलहाल भाजपा महाराष्ट्र की तरह कतई वो गेम राजस्थान में नहीं करेगी, उसे मालूम है कि डेढ़ साल बाद तो हमारी सरकार आने ही जा रही है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू : हरीश रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम और विधायकों के बागी होने के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने विधायकों को सौ-सौ करोड़ रुपये में खरीदा है। गोवा-गुवाहाटी का ड्रामा बीजेपी ने ही रचा। बीजेपी ने ही उद्धव की शिवसेना को तोड़ने के लिए शिंदे गुट का समर्थन किया। ताकि शिवसेना आगे जाकर खत्म हो सके। मगर बीजेपी यह जान ले, आने वाले समय में उद्धव बड़े नेता बनकर उभरेंगे और सत्ता में वापसी करेंगे। मीडिया को दिए एक बयान में पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा इनकम टैक्स, सीबीआई और ईडी जैसे सांविधानिक संस्थाओं के बल पर विपक्षी नेताओं को धमकाने का काम कर रही है। भाजपा लोकतंत्र की हत्या करने पर उतारू है। देश उसके इस कुचक्र को समझ रहा है। उन्होंने कहा कि सब समझ रहे हैं कि महाराष्ट्र का राजनीतिक घटनाक्रम किसके इशारे पर अंजाम दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ एजेंटों ने महाराष्ट्र में उद्धव सरकार को गिराने के लिए कुचक्र रचा। आने वाले दिनों में उनका भी पर्दाफाश किया जाएगा।

आजमगढ़-रामपुर के बाद रायबरेली और मैनपुरी पर भी भाजपा की नजर

» विपक्ष के दो और गढ़ को भेदने में ताकत लगाएगी भाजपा

» चार केंद्रीय मंत्रियों को सौंपी इन दोनों जिले की जिम्मेदारी

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। आजमगढ़ और रामपुर में लोक सभा का उप चुनाव जीतने के बाद भाजपा अब कांग्रेस के गढ़ रायबरेली और सपा के गढ़ मैनपुरी को भेदने में जुटेगी। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित विपक्ष के कब्जे वाली 14 लोकसभा क्षेत्रों के जिला प्रभारी, जिला संयोजकों और विधानसभा क्षेत्र संयोजकों की बैठक में इन सीटों पर 2024 में कमल खिलाने के लिए रणनीति पर मंथन किया गया। पार्टी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह और केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी को इसकी कमान सौंपी है।

बैठक के लिए भाजपा के लिए राष्ट्रीय मुख्यालय से आए राज्य सभा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि मुरादाबाद, संभल और मैनपुरी पर सपा, बिजनौर, अमरोहा, अंबेडकरनगर, गाजीपुर, घोसी, जौनपुर, लालगंज, नगीना, सहारनपुर और श्रावस्ती लोक सभा सीट पर बसपा और रायबरेली में कांग्रेस का कब्जा है। उन्होंने कहा कि जिन 14 सीटों पर विपक्षी दलों के सांसद हैं, उनमें से मैनपुरी और रायबरेली को छोड़कर शेष 12 सीटें लोक सभा चुनाव 2014 में भाजपा ने जीती थी। उन्होंने कहा कि उन 12 लोक सभा क्षेत्रों में मेहनत करने से 2024 में वहां फिर कमल खिलाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैनपुरी और रायबरेली सीट पर अभी तक भाजपा ने चुनाव नहीं जीता है, इस लिहाज से इन दोनों सीटों पर जीत के लिए भाजपा को कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कहा कि 14 लोकसभा क्षेत्रों में स्थित विधानसभा क्षेत्रों में भी पार्टी ने संयोजक नियुक्त किए है।

उन्होंने कहा कि लोक सभा प्रभारी, लोक सभा संयोजक और विधान सभा संयोजक लगातार क्षेत्र में प्रवास कर 2019 के चुनाव परिणाम की बूथवार समीक्षा करेंगे। बैठक में पार्टी की प्रदेश उपाध्यक्ष कमलावती सिंह, राज्यमंत्री जसवंत सैनी और पूर्व मंत्री मुकुट बिहारी वर्मा भी मौजूद थे।

आजमगढ़ में निरहुआ व रामपुर में लोधी ने खिलाया कमल

रामपुर व आजमगढ़ लोक सभा उपचुनाव में भाजपा की जीत हुई है। आजमगढ़ में भाजपा प्रत्याशी निरहुआ ने सपा के धर्मेंद्र यादव को 8,679 वोटों से हराया जबकि ये सीट सपा का गढ़ मानी जाती रही है। आजमगढ़ में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के इस्तीफा देने के चलते ये सीट खाली हुई थीं। जबकि रामपुर में आजम खां द्वारा खाली की गई सीट पर सपा की तरफ से आसिम राजा और बीजेपी के घनश्याम लोधी मैदान में थे। यहां घनश्याम लोधी ने आजम के करीबी आसिम को 40 हजार वोटों से पटखनी दी। वहीं आजमगढ़ से इसके पहले 2009 में भाजपा के रमाकांत यादव चुनाव जीते थे जबकि रामपुर से 2014 में भाजपा से डॉ. नेपाल सिंह ने जीत हासिल की थी। 2014 के लोक सभा चुनाव में मुलायम सिंह यादव को 340306 मत मिले थे जबकि भाजपा प्रत्याशी रमाकांत यादव को 277102 मत मिले। 2014 के लोक सभा चुनाव में भी बसपा प्रत्याशी शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को 266528 मत मिले थे। 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा-बसपा राष्ट्रीय लोक दल व कांग्रेस के समर्थन हासिल करने के बावजूद जहां सपा ने 621578 मत हासिल किए थे। वहीं भोजपुरी कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ ने 361704 वोट पा सके थे।

24 के लिए बनाएंगे योजना : बंसल

प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कहा कि 2024 में इन लोक सभा क्षेत्रों में चुनाव जीत के लिए सरकार और संगठन के स्तर से क्या-क्या किया जा सकता है इसकी भी योजना बनाएंगे। लोक सभा क्षेत्रों में केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से लगातार संपर्क करने के साथ वहां के प्रबुद्ध और प्रभावशाली लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ा जाएगा। लोक सभा क्षेत्रों में बूथ समितियों को मजबूत किया जाएगा और बूथ समिति में उस क्षेत्र की सभी प्रमुख जातियों के प्रभावशाली लोगों को सदस्य बनाया जाएगा। बंसल बोले, 2024 के चुनावों को लेकर पार्टी पूरी तरह सक्रिय है। पार्टी केंद्र और प्रदेश सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के तक पहुंचेगी। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में इस रणनीति में उसे सफलता मिल चुकी है।

14 लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे मुख्यमंत्री

पार्टी सूत्रों के मुताबिक आगामी दिनों में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इन 14 लोकसभा क्षेत्रों का दौरा करेंगे। इन लोक सभा क्षेत्रों में प्रदेश सरकार की ओर से विकास परियोजनाओं के तहत विकास कार्य कराए जाएंगे। वहीं जनता से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान होगा। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त केंद्रीय मंत्री भी इन क्षेत्रों का दौरा कर संगठनात्मक बैठकें करेंगे।

प्रदेश की हर पंचायत में अमृत वन स्थापित करेगी सरकार, प्लान तैयार

15 अगस्त तक 35 करोड़ पेड़ भी लगाएगी

पौधों के संरक्षण का पूरा रखा जाएगा ध्यान

» स्कूलों में बच्चों को बताया जाएगा पौधों का महत्व

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रदेश सरकार हर पंचायत में अमृत वन बनाने की तैयारी में जुट गयी है। इसके लिए पूरा खाका तैयार कर लिया गया है। इसमें स्कूली बच्चों के द्वारा भी पौधरोपण किया जाएगा।

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर प्रदेश की हर ग्राम पंचायत और निकायों में अमृत वन की स्थापना की जा रही है। उन्होंने राज्य के हर व्यक्ति खासकर स्कूली बच्चे पौधे जरूर लगाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पौधे वही लगाए जो उनकी सुरक्षा कर सके। वन मंत्री ने कहा कि सभी सरकारी विभागों और संस्थाओं को पौधे मुफ्त दिए जायेंगे। स्कूलों की प्रार्थना के दौरान बच्चों को पेड़ों का महत्व बताया जाएगा। इस बार होने वाले 35 करोड़ पौधरोपण में 05 जुलाई को 25 करोड़, 6 जुलाई को ढाई करोड़, 7 जुलाई को ढाई करोड़ और 15 अगस्त को 5 करोड़ पौधे लगाए जायेंगे।

फोटो-कॉन्सेप्ट

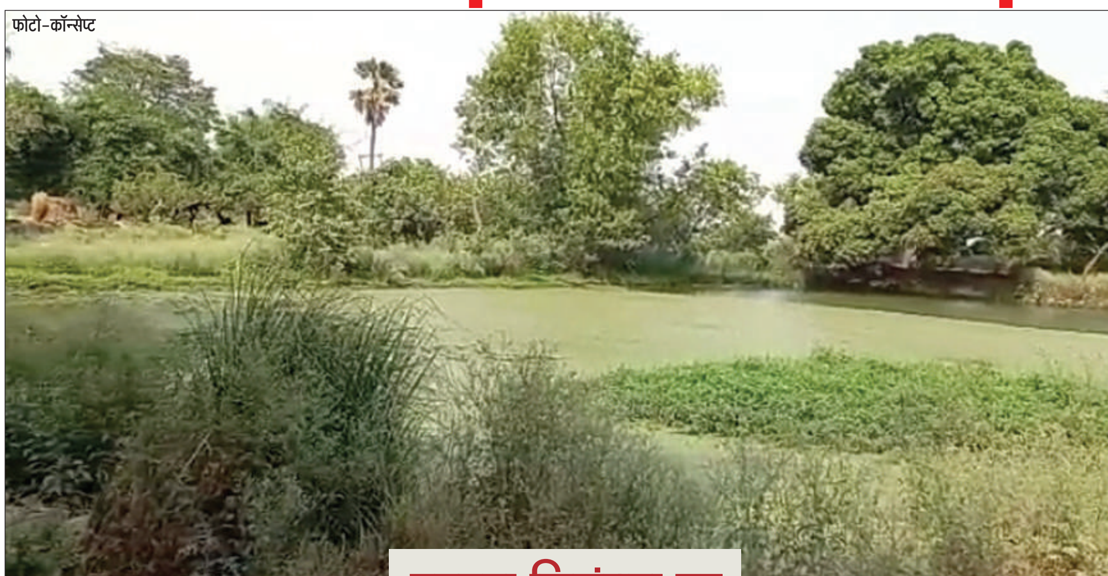

उत्तर प्रदेश सरकार एक जुलाई यानी आज से मेगा वृक्षारोपण अभियान शुरू कर रही है, जहां 15 अगस्त तक राज्यभर में 35 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। 15 अगस्त को आजादी का अमृत वर्ष के अवसर पर राज्य के प्रत्येक गांव में 75 पौधे लगाए जाएंगे। पिछले कुछ वर्षों में, राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश में हरित आवरण को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया है। उत्तर प्रदेश में कुल 58,000 से अधिक गांव हैं। सरकार की योजना 15 अगस्त को एक दिन में 43.5 लाख से अधिक पौधे लगाने की है। वन विभाग द्वारा राज्य में हरित आवरण को बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं जिससे प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलेगी।

प्रदूषण नियंत्रण पर फोकस

प्रदेश सरकार कई शहरों में बढ़ते प्रदूषण को लेकर भी चिंतित है। यही वजह है कि प्रदेश को हरा-भरा बनाने की कवायद तेज कर दी गयी है। अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण के जरिए सरकार पर्यावरण संरक्षण पर फोकस कर रही है।

बनाए जाएंगे छह हजार अमृत सरोवर भी

देश की आजादी के 75 वर्ष पर प्रदेश में करीब छह हजार अमृत सरोवर बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। ये सरोवर जहां पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन और वाटर रिचार्जिंग के लिए वरदान साबित होंगे। अमृत सरोवर 15 अगस्त तक बनकर तैयार होने थे। एक एकड़ का सरोवर बनाने में जल्दबाजी न हो इसके लिए सरकार ने निर्देश दिया है कि कुल लक्ष्य का बीस प्रतिशत सरोवर 15 अगस्त 2022 तक तैयार हों और शेष 80 प्रतिशत सरोवर 15 अगस्त 2023 तक तैयार करना है। सरोवर में साफ पानी ही एकत्र हो, इसके लिए सरोवर के इनलेट में सिल्ट चैंबर बनाया जाएगा। जरूरत के अनुरूप सरोवरों की गहराई बढ़ाई जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बारिश, विकास और लचर तंत्र

> मानसून की पहली बारिश ने ही प्रदेश के विकास के दावों की पोल खोल दी। राजधानी लखनऊ समेत यूपी के तमाम शहरों में नाले उफना गए और सड़कों-गलियों में जलभराव की समस्या से लोगों को दो-चार होना पड़ा। शहरों के निचले इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था चरमराती दिखी।

मानसून की पहली बारिश ने ही प्रदेश के विकास के दावों की पोल खोल दी। राजधानी लखनऊ समेत यूपी के तमाम शहरों में नाले उफना गए और सड़कों-गलियों में जलभराव की समस्या से लोगों को दो-चार होना पड़ा। शहरों के निचले इलाकों में जल निकासी की व्यवस्था चरमराती दिखी। इसने न केवल नगर निगम और नगर पालिकाओं के कागज पर सबकुछ दुरुस्त होने के दावे की हकीकत बयां कर दी बल्कि यह भी स्पष्ट कर दिया कि नाले और नालियों की सफाई को लेकर किस तरह की लापरवाही बरती गयी है। सवाल यह है कि दावों के बावजूद हर बार बारिश में लोगों को जलभराव की समस्या का सामना क्यों करना पड़ता है? नाले-नालियों की सफाई के लिए जारी पैसा कहां खर्च किया जा रहा है? अधिकारियों के निरीक्षण और आदेशों का असर जमीन पर क्यों नहीं दिखता है? क्या जलभराव संक्रामक रोगों को न्योता नहीं दे रहा है? क्या इसका स्थायी समाधान निकालने में सरकारी मशीनरी पूरी तरह नाकाम हो गयी है? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को खोखला कर दिया है? क्या संबंधित विभाग सुविधाओं के नाम पर नागरिकों से केवल टैक्स वसूलने को ही अपना कर्तव्य मान चुके हैं?

हर बार बारिश में प्रदेश के अधिकांश शहर जलभराव की समस्या से जूझते हैं। सरकार के आदेशों के बावजूद नगर निगम और नगर पालिकाएं अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करती हैं। कभी-कभी खानापूर्ति के लिए कुछ नालों की सफाई करा दी जाती है। लापरवाही का आलम यह है कि नाले से निकाली गयी सिल्ट वहीं पर जमाकर दी जाती है। यह सिल्ट बारिश के बाद फिर से नालों में समा जाती है और हालात जस के तस बने रहते हैं। यह स्थिति तब है जब सरकार हर साल नालों की सफाई के लिए भारी भरकम धनराशि आवंटित करती है। नालों का यह पानी न केवल सड़कों और गलियों में जमा होता है बल्कि यह संक्रामक रोगों का खतरा भी पैदा करता है। यही नहीं सड़कों में पड़े गड्ढों में पानी का भराव होने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। निचले इलाकों में गंदा पानी लोगों के घरों तक घुस जाता है। ये अव्यवस्थाएं प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हैं। ऐसे में अन्य शहरों की हालत क्या होगी इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। जाहिर है सरकार को व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए न केवल ठोस रणनीति बनानी होगी बल्कि उसके लिए संबंधित विभागों की जवाबदेही भी तय करनी होगी। वहीं संबंधित विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करना होगा। जर्जर सड़कों को भी दुरुस्त करना होगा। यदि ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में हालात और बदतर हो जाएंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हकीकत भी बदले प्रतीकों की राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

लगभग पंद्रह साल पुरानी बात है, जब स्वतंत्र भारत में पहली बार एक महिला को राष्ट्रपति बनने का अवसर मिला था। प्रतिभा पाटिल को कांग्रेस पार्टी ने इस पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया था। इस बात को बार-बार रेखांकित किया जा रहा था कि पहली बार कोई महिला देश की राष्ट्रपति बनायी जा रही है, अतः उन्हें निर्विरोध चुनने दिया जाना चाहिए। इस बार फिर वैसा ही मौका आया है। देश में सत्तारूढ़ भाजपा ने उड़ीसा में जन्मीं द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया है और कहा जा रहा है कि यह पहली बार है जब कोई आदिवासी महिला इस पद को पा रही है, अतः उनके खिलाफ विपक्ष को कोई उम्मीदवार नहीं खड़ा करना चाहिए। तब किसी महिला को मौका मिला था और अब किसी आदिवासी महिला को यह अवसर मिलने वाला है।

इस बात की महत्ता से इंकार नहीं किया जा सकता लेकिन पाटिल की तरह ही इस बार भी मुर्मू राजनीतिक दलों की पहली पसंद नहीं हैं। तब भी योग्यता के बजाय उम्मीदवार के महिला होने पर जोर दिया जा रहा था और अब भी इसी तर्क को आगे बढ़ाया जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि प्रतीकों का अपना महत्व होता है। किसी महिला का देश का राष्ट्रपति बनना या किसी आदिवासी का इस पद को पाना अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण बात है, पर इस सच्चाई से भी तो इंकार नहीं किया जा सकता कि राजनीति की इस चाल में महिला के प्रति विशेष अनुकंपा के भाव का भी अपना स्थान है। पेंच यही है। मुद्दा स्त्री-पुरुष की बराबरी के सिद्धांत का है। मुद्दा इस बात को स्वीकार करने का है कि देश के इस सर्वोच्च पद पर बैठने की योग्यता, क्षमता देश की महिलाओं में है- उन्हें अनुकंपा नहीं, अधिकार चाहिए। बहरहाल, यह तय है कि मुर्मू देश की राष्ट्रपति बन रही हैं। भाजपा एक आदिवासी महिला को इस पद पर दावेदार बनाने का यश भी ले ही सकती है। पर यही समय है जब यह भी तय होना चाहिए कि देश की महिलाओं को, पिछड़ों को, यह हक उनकी योग्यता के कारण मिलना चाहिए। राष्ट्रपति कोविंद का चयन भी जब हुआ था तो उनके पिछड़ा वर्ग का होने की बात को बार-बार दोहराया गया था। सवाल महिलाओं, आदिवासियों, पिछड़ों के सर्वोच्च पदों पर पहुंचने लायक बनने का है, यह मानने का है कि वे इन पदों के निर्वाह में सक्षम हैं।

ये पद देकर उन पर कोई अनुग्रह नहीं किया जा रहा। सही तरीके से चुनाव हों, सही व्यक्ति निर्वाचित होकर पद पर पहुंचे, यह जनतंत्र की सफलता का ही प्रमाण है।

फिर, चुनाव सिर्फ पद पाने के लिए ही नहीं होते, चुनाव सिद्धांतों को रेखांकित करने के लिए भी होते हैं, विचारधाराओं की महत्ता प्रतिपादित करने के लिए भी होते हैं। राष्ट्रपति-पद के लिए होने वाले चुनाव में जीत लगभग तय होती है। यहां वोट चुने हुए सांसदों-विधायकों को डालना होता है। उनकी संख्या तय है। फिर भी यदि एक से अधिक व्यक्ति मैदान में हैं तो इसका सीधा-सा अर्थ यह है कि मतदाता कुछ विशेष प्रतिपादित करना चाहता है। यह 'कुछ' वे सिद्धांत, मूल्य या विचार हैं जो राजनीति को आधार देते हैं। दुर्भाग्य से, आज हमारी राजनीति में सिद्धांतों, मूल्यों और विचारों के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। अब राजनीति सत्ता के लिए होती है और सत्ता को हमने सेवा करने की नहीं, भोगने की वस्तु बना दिया है। यह स्थिति बदलनी जरूरी है। पर कैसे बदलेगी यह स्थिति? इस प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। पर जरूरी है वह उत्तर खोजना। वह उत्तर प्रतीकों के माध्यम से नहीं मिलेगा। उसे ठोस वैचारिक धरातल पर खोजना होगा। कोई द्रौपदी मुर्मू इसलिए पद के योग्य नहीं मान ली जानी चाहिए कि वह आदिवासी है, बल्कि उसकी कसौटी उसकी योग्यता होनी चाहिए। किसी आदिवासी महिला का राष्ट्रपति-भवन में पहुंचना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना कि यह तथ्य कि एक आदिवासी महिला ने वहां तक पहुंचने की योग्यता अर्जित की है। राष्ट्रपति-पद के लिए हुए पिछले चुनाव में भी द्रौपदी मुर्मू का नाम प्रत्याशी के रूप में सामने आया था। पर तब किसी आदिवासी को यह पद देने के बजाय पिछड़ी जाति वाले को देना राजनीतिक दृष्टि से ज्यादा फायदे वाला माना गया। राजनीति के समीकरण अपनी जगह हैं, पर नफे-नुकसान के आकलन वाली यह राजनीति जनतंत्र के स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है। इस प्रवृत्ति ने हमारी समूची राजनीति को बीमार बना रखा है। इससे उबरना ज़रूरी है कि हम प्रतीकों की राजनीति से भी उबरें। किसी द्रौपदी मुर्मू का आदिवासी होना उसकी योग्यता का प्रतीक नहीं होना चाहिए, उसके चयन का आधार यह होना चाहिए कि वह आदिवासी होने के बावजूद सक्षम है।

गहरे होते भारत-यूएई संबंध

अनिल त्रिगुणायत

भारत के लिए समूचे पश्चिम एशिया की प्रासंगिकता है लेकिन खाड़ी देश कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये छह देश- सऊदी अरब, कुवैत, कतर, ओमान, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात- हमारे लिए ऊर्जा सुरक्षा, सामुद्रिक सुरक्षा और भारतीयों के लिए अवसर के लिहाज से अहम हैं। इन देशों में लगभग अस्सी लाख भारतीय कार्यरत हैं। इन भारतीयों को ये देश बहुत मान देते हैं और वहां के विकास में इनके योगदान को भी रेखांकित करते हैं। कुछ वर्ष पहले तक खाड़ी देशों के साथ हमारे संबंध बस इतने थे कि हम तेल खरीदते हैं और उनको भुगतान कर देते हैं तथा हमारे लोग वहां काम करते हैं और वहां से अपनी कमाई यहां भेजते हैं। अब हमारे संबंध परिपक्व और बहुआयामी हो गये हैं क्योंकि खाड़ी में हर देश के साथ भारत ने रणनीतिक सहयोग के समझौते किये हैं।

व्यापार, कारोबारी सहभागिता, तकनीक, साइबर सुरक्षा, सामुद्रिक सुरक्षा आदि के क्षेत्र में भी सहयोग का विस्तार हुआ है। बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए भारत भी यह चाहता है कि मध्य एशिया में शांति और स्थिरता रहे। हालांकि सभी खाड़ी देशों के साथ भारत के संबंध गहरे हुए हैं लेकिन इनमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) विशेष स्थान रखता है। भारत के लिए यूएई की खास अहमियत होने की दो मुख्य वजहें हैं- यह भारत के लिए आवागमन का एक बहुत बड़ा केंद्र है तथा भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार के मामले में यह शीर्ष देशों में शामिल है। हमारे यहां यूएई के निवेश में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दोनों देशों के संबंधों को बेहतर करने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी भूमिका है। द्विपक्षीय संबंधों में नेताओं की आपसी समझ और भरोसे की बड़ी भूमिका होती है।

जर्मनी में जी-7 के बैठक से लौटते हुए कुछ देर के लिए प्रधानमंत्री मोदी यूएई में रुके। यह उनकी चौथी यात्रा थी। पहले उन्हें दुबई एक्सपो में जाना था, पर महामारी के चलते वे नहीं जा सके थे। उल्लेखनीय है कि खाड़ी देशों में यूएई पहला ऐसा देश है, जिसने इजरायल के साथ सामान्य संबंध बनाने की व्यापक पहल की है। अरब देशों में इससे पहले मिस्र और जॉर्डन ने ही ऐसा किया था। इस सिलसिले को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अब्राहम अकॉर्ड के माध्यम से आगे बढ़ाया गया। भारत ने यूएई के साथ जो व्यापक सहयोग समझौता किया है, उससे तहत हमारी लगभग 99 फीसदी चीजें शुल्क मुक्त हो जाती हैं। इससे निवेश में भी वृद्धि की आशा है। साथ ही, वित्तीय तकनीक में भी सहकार बढ़ेगा। तेल और गैस के मामले में धनी देश अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि उन्हें केवल ऊर्जा संसाधनों पर ही निर्भर न रहना पड़े। इसमें वे भारत की अहम भूमिका देख रहे हैं। संबंध बढ़ाने के प्रयास के तहत ही भारत, इजरायल, अमेरिका और यूएई ने एक समूह बनाया है, जिसे आई2यू2 कहा जाता है। इसमें शामिल तीनों देशों के साथ भारत का रणनीतिक सहकार है। भारत और इजरायल के बीच मुक्त व्यापार समझौता करने के संबंध में बातचीत चल रही है। ऐसे ही एक समझौते के लिए अमेरिका के साथ भी चर्चा हो रही है। अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य एवं व्यापार के क्षेत्र में भारत की भूमिका के महत्व को खाड़ी देश भी समझ रहे हैं। पहले इनके साथ व्यापक संबंध न बन पाने की एक वजह यह भी थी कि ये देश पाकिस्तान के साथ खड़े नजर आते थे और हमारा आकलन यह होता था कि ऐसे में सहकार की संभावना तलाशने का कोई मतलब नहीं है। अब यह स्थिति नहीं है। इसके उदाहरण के रूप में हम बालाकोट, पुलवामा, अनुच्छेद 370 हटाने जैसे मामलों को देख सकते हैं कि इन्हें खाड़ी देशों ने भारत का आंतरिक मसला माना तथा पाकिस्तान के रवैये का समर्थन नहीं किया। ये देश यह भी चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान तथा भारत और चीन के रिश्ते ठीक हो जाएं ताकि उनके सामने किसी एक देश का पक्ष लेने की स्थिति न आये। अगर किसी को चुनने की बात भी हो, तो हम देख सकते हैं कि वे भारत से बेहतर संबंध बनाने को अपने राष्ट्रीय हित के लिए उचित समझ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के हालिया दौरे का एक संदर्भ यह भी है कि कुछ दिन पहले अबुधाबी के शासक और यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद के भाई और पूर्व राष्ट्रपति खलीफा बिन जायेद का निधन हुआ था। भारत की ओर से शोक संवेदना प्रकट करने के लिए उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू गये थे। इस दौरे में प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपनी संवेदना दी और मोहम्मद बिन जायेद को राष्ट्रपति बनने की बधाई भी दी। दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत निकटता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यूएई के राष्ट्रपति अपने परिजनों और वरिष्ठ मंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी से मिलने के लिए हवाई अड्डे पर आये तथा वहीं बातचीत की। दोनों नेता इस बात से आगाह हैं कि चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं, चाहे वे खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी हों, रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न स्थिति हो या भावी विश्व व्यवस्था के बारे में हों। पश्चिमी एशियाई देशों के नेता एक-दूसरे देशों के दौरे कर रहे हैं तथा क्षेत्रीय स्थिरता के लिए प्रयासरत हैं। जल्द ही राष्ट्रपति बाइडेन भी इस क्षेत्र में आ रहे हैं। भारत ने सभी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित किया और इससे भारत का भरोसा भी बढ़ा है।

डायबिटीज ही नहीं मोटापा भी कंट्रोल करता है आलू बुखारा

डायबिटीज हो या फिर मोटापा। दोनों ही समस्याएं आज लोगों के लिए बड़ी परेशानी की वजह बने हुए हैं। इससे पीड़ित व्यक्ति को अपने खाने-पीने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है। लेकिन आपको बता दें कि लाल रंग के स्वाद में खट्टा-मीठा फल आलू बुखारा आपकी दोनों ही समस्याओं को दूर करने में मदद कर सकता है। मीठा स्वाद वाला यह फल कई पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसमें फाइबर, कैल्शियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन के और फोलेट की प्रचुर मात्रा मौजूद होती है। इस फल को खाने से सेहत को कई गजब के फायदे मिलते हैं। आइए जानते हैं उनके बारे में।

आंखों की सेहत

आलू बुखारा में विटामिन-के और बी6 प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। ये दोनों ही विटामिन्स आंखों और त्वचा के लिए अच्छा माने जाते हैं।

डायबिटीज

सूखे आलू बुखारे में मौजूद बायोएक्टिव कंपाउंड डायबिटीज के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। स्वाद में मीठा होने के बावजूद सूखा आलूबुखारा ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है। मधुमेह रोगी सूखे आलू बुखारे को स्नैक्स के रूप में खा सकते हैं।

वेट कंट्रोल

आलू बुखारे में कैलोरी की मात्रा बहुत कम पाई जाती है। आलूबुखारे के 100 ग्राम में लगभग 46 कैलोरी होती है, जो अन्य फलों की तुलना में काफी कम पाई जाती है। यही वजह है कि ये वेट लॉस में भी मदद करता है। अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो आपनी डाइट में आलूबुखारा को शामिल कर सकते हैं।

हड्डियां बनाए मजबूत

महिलाओं में ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को रोकने में आलूबुखारा बेहद सहायक है। रजोनिवृत्ति के उपरांत महिलाएं आलूबुखारे का सेवन करें तो वे स्वयं को ओस्टियोपोरेसिस से बचा सकती हैं।

इम्यूनिटी

आलू बुखारे में आयरन, पोटेशियम, विटामिन जैसे पौषक तत्व पाए जाते हैं जो इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने में मदद करते हैं।

कब्ज से निजात

आलू बुखारे का नियमित सेवन कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है। इसके अलावा इसे खाने से पेट भी साफ रहता है।

खाने का सही तरीका और समय

न्यूट्रिशनिस्ट रुजुता दिवेकर के अनुसार अधिकतर फलों को सुबह या शाम के समय खाना अधिक फायदेमंद रहता है। आलूबुखारा को भी आप सुबह या शाम के समय स्नैक के तौर पर खा सकते हैं। एक प्लेट में सिर्फ आलू बुखारा काटकर खाएं।

हंसना मना है

घंटू- आज घर के सामने पेड़ पर रस्सी बांध ही देता हूं कपड़े सुखाने के लिए। पड़ोस में रहने वाली रिंकी- अरे-अरे क्या कर रहे हो तुम, ऐसा कदम मत उठाना। मेरी तरफ से हां है। सुनते ही झूम उठा घंटू।

चोलू- जरूरी नहीं है कि पत्नी अपना गुस्सा लड़-झगड़कर ही निकाले। एक और तरीका है। टोलू- क्या? चोलू- वह मोटी कच्ची रोटी और सब्जी में बिना नमक डाले भी अपना गुस्सा निकाल सकती है।

चंदू- यार तुम स्कूल क्यों नहीं जाते हो? नंदू- अरे भाई जाता तो हूं लेकिन लोग मुझे मार के बाहर फेंक देते हैं। चंदू- ऐसे कौन से स्कूल जाते हो? नंदू- कन्या विद्यालय।

महिला डॉक्टर- जब तुम परेशान होते हो तो क्या करते हो? महिला डॉक्टर- बहुत अच्छा करते हो, ध्यान लगाते हो न वहां? गोलू- जी नहीं, लोगों के जूते चप्पल मिक्स कर देता हूं, फिर उन लोगों को परेशान होते हुए देखता हूं।

पंडित जी ने कुंडली मिलाई 36 के 36 गुण मिल गए। लड़के वालों ने मना कर दिया। लड़की वाले हैरान हो कर पूछने लगे। जब सारे गुण मिलते है तो आप मना क्यों कर रहे हैं? लड़के वाले- हमारा लड़का बिलकुल लफंगा है। अब क्या बहू भी उस जैसी ले आये क्या?

कहानी: सियार के बुरे विचार

एक दिन की बात है जब कौआ कहीं चला गया तो सियार ने सोचा, यही मौका है। कौआ और लोमड़ी को अलग करने के लिए सियार लोमड़ी के पास गया और बोला लोमड़ी अपने बगल वाला जंगल में बहुत मीठे मीठे फल है। चलो न हम वहां से कुछ फल खाकर आते है। लोमड़ी बोली ठीक है। चलो! दोनों एक फल के खेत में गए। दोनो फल खाने लगे। तभी शिकारी आया और लोमड़ी पर जाल फेक दिया। यह देख सियार बहुत खुश हुआ और सोचा अब यह मर जाएगी। तो हमे खाने को मिलेगा। यह सोचते-सोचते वह बहुत खुश हुआ और एक बड़े से पत्थर के पास जाकर छुपकर लोमड़ी की ओर देखने लगा। तभी कौआ उसी रास्ते से घर जा रहा था। कौए ने लोमड़ी को देखा और लोमड़ी के पास गया। और सारी बात पूछी। लोमड़ी ने सारी बात बताई उसके बाद कौआ ने लोमड़ी को एक उपाय बताया। तू मरने की एक्टिंग करना जब तुम्हे मरा हुआ शिकरी समझ लेगा तो तुम पर से वह जाल हटाएगा। जैसे वह जाल हटाएगा वैसे तुम तेजी से भाग जाना। अब इधर सियार के मन में लड्डू फूटने लगा वह सोचने लगा, अब जाल निकलेगा। तभी शिकारी आया और लोमड़ी को मरा देखकर जाल उठाया। जाल उठाते ही लोमड़ी भाग गई। भागता देख शिकारी ने उस पर बरछी चलाई बरछी लोमड़ी को न लगकर सियार को लग गयी। सियार बेचारा मर गया। अब लोमड़ी और कौआ दोनो साथ चले गए।

सीख: किसी के साथ बुरा नहीं करना चाहिए।

8 अंतर खोजें

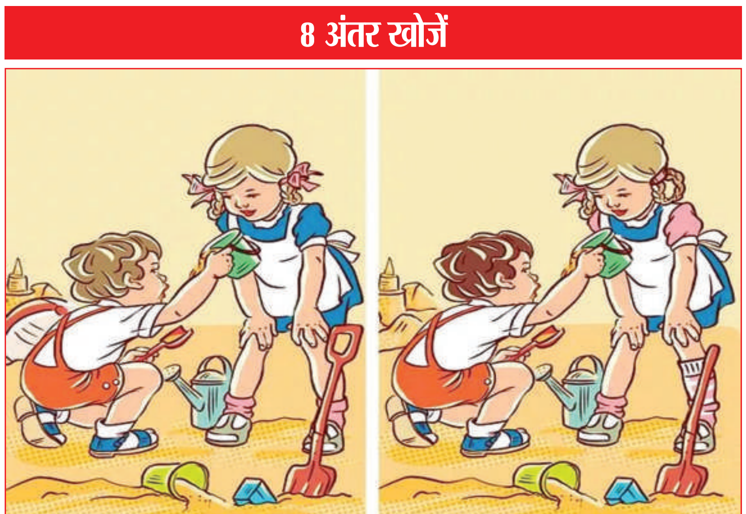

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आप तर्कपूर्ण और जिद्दी हो सकते हैं। आप स्वयं को मुश्किल परिस्थितियों में पा सकते हैं। तर्क-वितर्क से दूर रहें। पारिवारिक सदस्य तीर्थ यात्रा पर जा सकते हैं।

वृषभ

कानूनी मुद्दे का आकस्मिक निर्णय आपको आश्चर्यचकित करेगा। परिवार आपके लिए प्राथमिक है और आप उन्हें खुश करने के लिए किसी भी हद तक जाएंगे।

मिथुन

आज आपके दाम्पत्य संबंधों के बीच दूरियां खत्म होगी। साथ ही रिश्तों में मधुरता आयेगी, लेकिन बिजनेस की किसी बात को लेकर आप परेशान हो सकते हैं।

कर्क

आज आपको घर वालों का पूरा सपोर्ट मिलेगा। आपके लिए कुछ फैसलों में सटीकता हो सकती है। कॉन्फिडेंस के कारण जोखिम भरे कार्यों में सफलता मिल सकती हैं।

सिंह

करियर के मामले में आपको कोई बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आज कुछ ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी मदद के लिये तैयार रहें।

कन्या

आज कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिये आपको कुछ नये अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा आपको अचानक ही वापस मिल जायेगा। रिश्तों में पॉजिटिविटि आयेगी।

तुला

धार्मिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। कार्यस्थल पर कार्यभार में तेजी से वृद्धि आप लोगों को देखने को मिल सकती है।

वृश्चिक

आज आप अपने भविष्य और स्वास्थ्य के बारे में अधिक जिज्ञासु रहेंगे और उचित लोगों के साथ परामर्श करेंगे। प्रचुर आर्थिक लाभ संकेत मिल रहे हैं।

धनु

स्थिति अनुकूल रहेगी, लेकिन किसी भी बात को बोलते समय आपको सावधानी रखनी चाहिए। आप कहना कुछ चाहेंगे, लेकिन कह कुछ और देंगे।

मकर

आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। मानसिक स्थिति में अच्छा खासा सुधार आप लोगों को देखने को मिल सकता है।

कुम्भ

आज आपका दिन सुकून भरा रहेगा, मनोरंजन व ज्ञानार्जन क्षेत्र में समय व्यतीत होगा। अपने कामकाज से जुड़ा कोई नया प्लान बन सकता है।

मीन

आत्मनिरीक्षण ही सफलता की कुंजी हैं। आज आपको गुणवत्ता पर जोर देना होगा। गहन विचार आपको सभी समस्याओं के मूल में कटौती करने में मदद करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

हॉरर फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी 'आनंदी'

कलर्स चैनल के सीरियल बालिका वधू की नन्दी बनकर अविका गौर ने अपने करियर की शुरुआत की थी। आनंदी के किरदार से अविका गौर ने छोटी सी उम्र में ही पर्दे पर गजब की पॉप्युलैरिटी हासिल की। बालिका वधू से शुरुआत करने वाली अविका गौर ने बालिका वधू के बाद कलर्स चैनल के सीरियल ससुराल सिमर का में भी सेकंड लीड रोल में कई साल काम किया है। इसके अलावा वह लाडो वीरपुर की मर्दानी सीरियल, झलक दिख ला जा और फीयर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी है। अविका गौर ने बहुत कम उम्र में ही टेलीविजन सीरियल में काम करना शुरू कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद भी अविका ने अपनी पढ़ाई पर इसका कोई असर नहीं पड़ने दिया। अविका कई बार सीधा स्कूल से ही शूटिंग के लिए सेट पर पहुंचती थीं और शूट से फ्री होने पर वह मेकअप रूम में पढ़ाई भी किया करती थीं। ससुराल सिमर का सीरियल के दौरान अविका अक्सर कहती थीं कि उन्हें अपनी पढ़ाई-लिखाई अच्छी तरह करनी है, क्योंकि उन्हें मिस इंडिया बनना है और उसके बाद बॉलीवुड की फिल्मो में काम करना है। टीवी से अपनी शुरुआत करने वालीं अविका गौर अब तक दो शॉर्ट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं और तमिल और तेलुगु इंडस्ट्री में भी कई फिल्में कर चुकी हैं। अविका गौर अब जल्द ही महेश भट्ट की हॉरर फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी में है। सोशल मीडिया पर अविका गौर को उनके वजन की वजह से कई बार जबरदस्त ट्रोल किया गया। अविका खुद भी यह बात बता चुकी हैं कि सोशल मीडिया पर कैसे ट्रोल्स उनके वजन की वजह से उन्हें टारगेट कर अभद्र भाषा मे कमेंट करते थे। लेकिन बॉलीवुड में डेब्यू की तैयारी से पहले अविका ने अपने लुक पर जमकर मेहनत की है और गजब का ट्रांसफॉर्मेशन किया है। अविका इन दिनों फिटनेस मेंटेन करने पर ध्यान दे रही हैं।

'कैप्सूल गिल' के लिए अक्षय कुमार ने कसी कमर

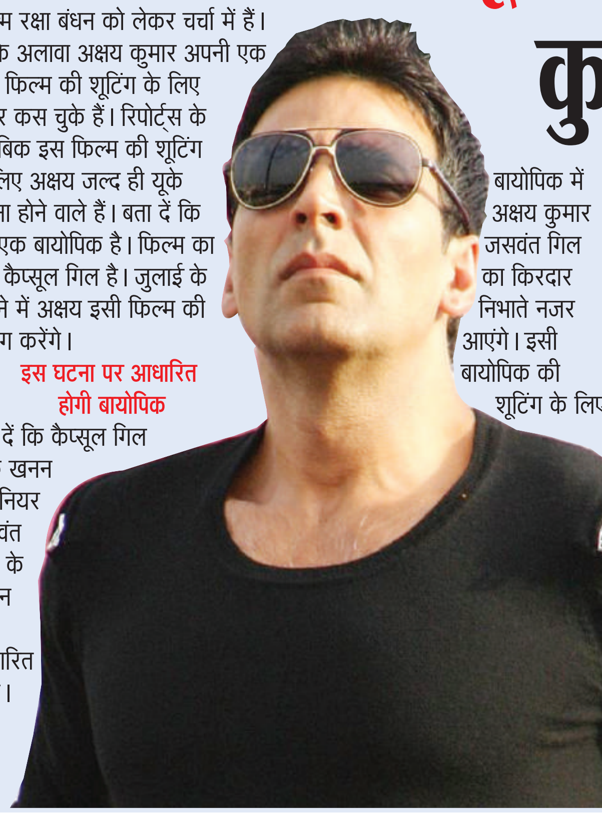

अक्षय कुमार इन दिनों काफी व्यस्त हैं। हाल ही में वह फिल्म सम्राट पृथ्वीराज में नजर आए। अब वह अपनी आगामी फिल्म रक्षा बंधन को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा अक्षय कुमार अपनी एक और फिल्म की शूटिंग के लिए कमर कस चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग के लिए अक्षय जल्द ही यूके रवाना होने वाले हैं। बता दें कि यह एक बायोपिक है। फिल्म का नाम कैप्सूल गिल है। जुलाई के महीने में अक्षय इसी फिल्म की शूटिंग करेंगे।

इस घटना पर आधारित होगी बायोपिक

बता दें कि कैप्सूल गिल चीफ खनन इंजीनियर जसवंत गिल के जीवन पर आधारित होगी। इस बायोपिक में अक्षय कुमार जसवंत गिल का किरदार निभाते नजर आएंगे। इसी बायोपिक की शूटिंग के लिए वह यूके रवाना होने वाले हैं। बता दें कि बायोपिक जसवंत गिल के जीवन की सच्ची घटना पर आधारित है, जिसमें उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन के जरिए 60 से अधिक बच्चों की जान बचाई थी। वर्ष 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज की

बॉलीवुड | मसाला

कोयला खदान में बाढ़ का पानी भर गया था। इसके कारण 60 से अधिक बच्चे उसमें फंस गए थे। लेकिन, तभी जसवंत गिल ने अपनी टीम के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चलाकर सभी बच्चों को सकुशल बाहर निकाला था। जसवंत गिल उस वक्त कोल इंडिया लिमिटेड के इंजीनियर थे। फिल्म में इसी घटना को दिखाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक जुलाई के आखिर तक अक्षय कुमार यूके में ही रहकर इस बायोपिक की शूटिंग करेंगे। इसके बाद वह फिल्म रक्षा बंधन के प्रमोशन के लिए भारत लौटेंगे। बता दें कि अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज बॉक्स-ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक नहीं चल पाई। इसके कारण अक्षय अपनी आगामी फिल्मों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। यही वजह है कि एक तरफ वह रक्षा बंधन के प्रमोशन में वह जुटे हुए हैं और साथ ही अन्य आगामी प्रोजेक्ट्स की तैयारी भी जोर-शोर से कर रहे हैं। कैप्सूल गिल में अक्षय के साथ परिणीति चोपड़ा नजर आएंगी।

'बेहद' की माया ने तोड़ी बोल्डनेस की हदें

छोटे पर्दे की सबसे महंगी एक्ट्रेसेस में से एक जेनिफर विंगेट ने अपनी अदाकारी का खूब कमाल दिखाया है। इसके अलावा बोल्डनेस के मामले में भी किसी से कम नहीं हैं। अक्सर जेनिफर का सिजलिंग अंदाज लोगों के होश उड़ा देता है। अब फिर से एक्ट्रेस ने इतना हॉट अवतार दिखाया है कि लोग उन पर से नजरें ही नहीं हटा पा रहे हैं। जेनिफर अब स्विमसूट लुक दिखाया है। जेनिफर विंगेट के चाहने वाले आज दुनियाभर में मौजूद हैं, जो उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। ऐसे में एक्ट्रेस भी अपने फैंस के साथ जुड़ रहने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देतीं। यही कारण है कि जेनिफर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव

रहने लगी हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलक शेयर करती रहती हैं। अब लेटेस्ट फोटोज में जेनिफर के नए अवतार ने फैंस को हैरान ही कर दिया है। जेनिफर ने इंस्टा पर अपनी कई फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लैक कलर के स्टाइलिश स्विमसूट मे नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को खूब फ्लॉन्ट किया है। कहीं जेफिनर पानी में अपने बोल्ड लुक से आग लगाती दिख रही हैं, तो

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

कहीं उन्हें पूल के साइड में बैठकर पोज देते हुए देखा जा रहा है। यहां जेनिफर नो-मेकअप लुक में नजर आ रही हैं। इस अवतार में वह काफी हॉट लग रही हैं। अब जेनिफर के चाहने वाले भी उनके इस लुक पर नजरें ही नहीं हटा पा रहे हैं। कुछ ही घंटों में उन फोटोज पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं।

अजब-गजब | जिम-मॉल की भी सुविधा मिलेगी इस होटल में

ये है उड़ने वाला होटल, बिना लैंड किए महीनों तक आसमान में भरेगा उड़ान!

अभी तक आप जमीन पर फाइव स्टार और सेवन स्टार होटल के बारे में जानते होंगे, लेकिन भविष्य में आपको आसमान में उड़ने वाले होटल देखने को मिलेंगे। इन होटल में जिम, स्विमिंग पूल और शॉपिंग मॉल की भी सुविधा रहेगी। अब आप इससे अंदाजा लगा सकते हैं कि ये होटल कितने बड़े होंगे। इन होटल में एक साथ पांच हजार यात्री यात्रा कर सकेंगे।

इस होटल की सबसे खास बात है कि यह बिना लैंड किए महीनों तक उड़ते रहेंगे। यह उड़ने वाला होटल एक तरह का जहाज होगा। एक यूट्यूब चैनल पर उड़ने वाले होटल का कॉन्सेप्ट वीडियो जारी किया गया है जिसे देखने के बाद हर कोई हैरान है। बताया गया है कि इस उड़ने वाले होटल में 20 इंजन होंगे जो आसमान पर राज करेगा। इसमें ऐसी सुविधा रहेगी कि इसे महीनों तक जमीन पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस उड़ने वाले होटल में लाने और वापस छोड़ने के लिए आज के जैसे प्लेन होंगे जो इनसे सीधे जुड़ेंगे। वह प्लेन यात्री के साथ खाने का सामान और जरूरत की दूसरी वस्तुओं को भी इस विमान में पहुंचाएंगे। होटल और प्लेन को दिए

इस कॉन्सेप्ट से प्रदूषण भी नहीं फैलेगा, लेकिन यह न्यूक्लियर पावर से उड़ान भरेंगे। इसकी वजह से ही यह महीनों तक आसमान में उड़ान भरते रहेंगे। आर्टिस्ट टोनी होम्सटन ने इस विशालकाय होटल का कॉन्सेप्ट तैयार किया है। हाशेम अल्घैली ने इस कॉन्सेप्ट को वीडियो का रूप दिया है। हाशेम का कहना है कि परमाणु ऊर्जा से चलने वाला स्काई क्रूज भविष्य का परिवहन का हो सकता है। इस विमान का कॉन्सेप्ट इस तरह का है जिससे इसमें किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। अगर आसमान में विमान के अंदर कोई खराबी आती है तो उसके अंदर उसे ठीक करने की व्यवस्था है। इस विमान को पूरी तरह आर्टीफिशियल इंटेलिजेंस से कंट्रोल किया जाएगा। यह विमान बिना पायलट के उड़ेगा। इस वीडियो में बताया गया है कि विमान में रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल, जिम, थिएटर, स्विमिंग पूल, हॉस्पिटल की भी सुविधा दी जाएगी।

चार करोड़ में बिक रहा है अंडरग्राउंड घर, एक ही जगह पर बना है किचन, बेडरूम और बाथरूम

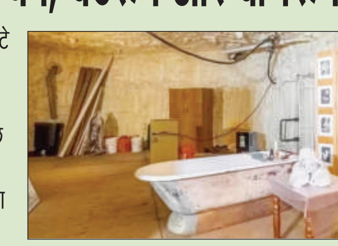

कुछ लोगों की जिंदगी में अपने छोटे-मोटे घर का ही सपना होता है, तो कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें घर के नाम पर कुछ अलग जगह चाहिए होती है। वे कुछ अनोखी जगह पर रहने का अनुभव लेना चाहते हैं। ऐसे ही लोगों के लिए एक ऐसा घर सेल के लिए रखा गया है, जो किसी ज़माने में अमेरिका की पहली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का घर हुआ करती थी। द Atlas-F मिसाइल कॉम्प्लेक्स परमाणु हथियार के भी हमले को झेल सकता है। इसे प्रॉपर्टी मार्केट में 4 करोड़ 30 लाख से ज्यादा रुपये में बेचा जा रहा है। हालांकि ये रहने के लिए ज़रा अजीबोगरीब जगह है। सोचिए जिस जगह पर मिसाइल रखी गई हो, उस जगह का इंटीरियर आम घरों से कितना अलग होगा। धरती के ऊपर से तो ये घर दिखाई भी नहीं देता। जिस अजीबोगरीब घर को बेचने के लिए बाज़ार में लिस्ट किया गया है, वो साल 1962 में बनाया गया था और यहां अमेरिका की पहली इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल रखी गई थी। ये बेहद मजबूत है और किसी भी परमाणु हमले को झेल सकता है। अमेरिका में नेब्रास्का के यॉर्क में बने बंकर हाउस में कुल 2 फ्लोर हैं, जो 1256 स्कवायर फीट के एरिया में बने हुए हैं। इसमें एक बेडरूम और एक बाथरूम है, जिस वक्त पूरी दुनिया में परमाणु हथियार मौजूद हैं और उसके इस्तेमाल की धमकियां दी जा रही हैं, उस वक्त में ये घर सुरक्षा के लिहाज से बढ़िया है, लेकिन यहां रहना सामान्य नहीं है। घर को 174 फीट गहराई में बनाया गया है। घर में 2.5 फीट मोटा फर्श और 9 फीट मोटा छत है। घर में नीचे की तरफ जाकर एंट्री करते ही पहले फ्लोर पर एक किचन, बाथरूम और बेडरूम है। दिलचस्प बात ये है कि सारी चीजें एक ही जगह पर बनी हुई हैं। यहां इलेक्ट्रिसिटी का कनेक्शन है और ठंडा-गरम पानी आता है। पानी को स्टोर करने के लिए 500 गैलन का वॉटर टैंक है जो कमरे के बीचोंबीच रखा हुआ है। प्रॉपर्टी साइट जिलों पर लिस्ट किए इस घर की तस्वीरें देखकर बहुत से लोग यहां रहने की कल्पना भी नहीं कर पाएंगे। इतना ही नहीं, घर का दूसरा फ्लोर फिनिश्ड नहीं हुआ है। इसमें एक टनल भी है। लोगों ने प्रॉपर्टी की तस्वीरें देखने के बाद मजेदार कमेंट्स भी किए हैं। वैसे इस पर आपका क्या कहना है?

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री अखिलेश यादव जी
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश (2012-2017)
को जन्मदिन की शुभकामनाएं
पुष्पक ढ़िल्लो
अमरोहा
Mob. 9927330303 @Pushpakdhillo

यूपी को मिला बड़ा सम्मान, डॉ. समीर त्रिपाठी को प्रधानमंत्री मोदी ने किया सम्मानित

कई विद्याओं में माहिर हैं डॉ. समीर त्रिपाठी, अध्यात्म के क्षेत्र में पूरी दुनिया में विशिष्ट पहचान है डॉ. समीर की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। व्यापार के साथ कोई व्यक्ति सामाजिक और अध्यात्मिक जिंदगी में कितनी ऊचाईयां छू सकता है डॉ. समीर इसकी जीती जागती मिसाल है। उनकी कंपनी ने व्यापार के क्षेत्र में जो कीर्तिमान स्थापित किए हैं वो हर किसी के बस की बात नहीं। व्यापार के साथ अध्यात्म के क्षेत्र में भी उन्होंने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके गायी गई भगवान राम और शिव की स्तुति पूरी दुनिया में धूम मचा रही है। डॉ. समीर ने आज फिर एक बड़ी मिसाल पेश की है। यूपी में एमएसएमई के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीएमडी डॉ. समीर त्रिपाठी को पीएम मोदी ने एमएसएमई सर्विस सेक्टर में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एमएसएमई मंत्रालय द्वारा आयोजित उद्यमी भारत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एमएसएमई क्षेत्र के कई उत्कृष्ट लोगों को पुरस्कृत किया, जिसमें मेधज के सीएमडी डॉ. समीर त्रिपाठी को उन्होंने यूपी को आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार देकर उनका हौसला बढ़ाया। पीएम मोदी द्वारा डॉ. समीर त्रिपाठी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड को सेवा उद्यमिता में उत्कृष्ट योगदान प्रदान करने के लिए मध्यम उद्यम श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। गौरतलब है कि कोरोना काल में भी लखनऊ की संस्था मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड ने शानदार काम किया। यहां तक कि कोरोना काल में भी मेधज ने अपने कर्मचारियों का साथ नहीं छोड़ा बल्कि उन्हें नई ताकत देने का काम किया। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा यह गौरवशाली पुरस्कार पाकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक डॉ. समीर त्रिपाठी ने कंपनी के अधिकारी और कर्मचारियों को बधाई दी और कहा कि यह हम सब लोगों की मेहनत और हम सभी के द्वारा अपनी कंपनी के लिए ईमानदारी से किए गए कार्य का फल है, जिसको भारत सरकार और इंडस्ट्री द्वारा समझा गया है। उन्होंने इस सम्मान के लिए मेधज के पूरे परिवार की तरफ से सभी का आभार जताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना काल में जब काफी कंपनियां या तो अपने कर्मचारियों को निकाल रही थी या तो उनके वेतन में कटौती कर रही थी उस समय भी उन्होंने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को आश्वासन दिया था कि उनकी कंपनी में किसी को भी नहीं निकला जाएगा न ही वेतन में किसी तरह की कमी की जाएगी।

समाज के लिए काम करने की मिलती है प्रेरणा

सीएमडी डॉ. समीर त्रिपाठी का कहना है कि इस पुरस्कार से हमें अपने लोगों के लिए समाज के प्रति काम करने की प्रेरणा मिलती है और यह अनुभूति होती है कि हम जो काम कर रहे हैं वह सही दिशा में कर रहे हैं। समीर ने पुरस्कार के लिए पीएम मोदी का आभार जताया और कहा कि देश के एमएसएमई सेक्टर का सशक्त होना बहुत जरूरी है। तभी देश तरक्की करेगा।

बागियों की वोटिंग रोकें : शिवसेना

सुनवाई 11 को करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

» महाराष्ट्र मामले में 11 को ही सुनवाई करेगा शीर्ष अदालत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में जारी सियासी उठापटक के बीच उद्धव गुट 16 बागी विधायकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शिवसेना के व्हीप प्रमुख सुनील प्रभु ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उन 15 अन्य विधायकों के सदन से निलंबन की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया, जिनके खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं दायर की गई हैं। बता दें कि इन 16 विधायकों में महाराष्ट्र के नए सीएम एकनाथ शिंदे का भी नाम शामिल है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि वह इस पर 11 जुलाई को ही सुनवाई करेगी। तब महाराष्ट्र से संबंधित बाकी अर्जियों पर सुनवाई होगी।

उद्धव गुट ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट को इस पर सुनवाई करनी चाहिए ताकि संविधान की दसवीं अनुसूची प्रभाव में बनी रहे और उसका उल्लंघन न हो। वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मामले का उल्लेख करते हुए उद्धव ठाकरे खेमे के विधायक सुनील प्रभु की याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की, जिसमें शिवसेना के बागी विधायकों को सदन से निलंबित करने और उन्हें विधानसभा में प्रवेश करने या उनकी अयोग्यता का फैसला होने तक कार्यवाही में भाग लेने से रोकने की मांग की गई है।

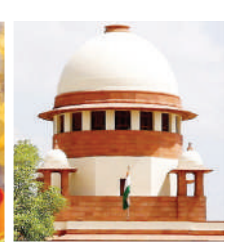

नई सरकार में हमारी पार्टी को भी मिले जगह

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि उनकी रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया (आठवले) को एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में जगह दी जाए। आठवले ने कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि शिवसेना के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार गिरने के बाद देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मगर ऐसा नहीं हुआ। आठवले ने कहा महाराष्ट्र में सरकार गठन की पूरी प्रक्रिया में आठवले हमेशा भाजपा के साथ रही। इसलिए हमारी पार्टी को भी मंत्रिमंडल में जगह दी जानी चाहिए।

ईडी दफ्तर पहुंचे संजय राउत

प्रवर्तन निदेशालय की ओर से मिले समन और पेशी पर संजय राउत ने कहा कि अगर ईडी मुझे गिरफ्तार करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों की तरह मैं ईडी से दूर नहीं भागूंगा। शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा कि ईडी के डर से लोग देश छोड़कर चले गए, जबकि मैं उनके सामने जा रहा हूं। राउत ने कहा कि मैं कानून का सम्मान करता हूं। मैं उनकी शंकाओं को दूर करने के लिए ईडी जा रहा हूं। अगर उनका कोई सवाल है तो वे मुझसे पूछ सकते हैं।

फोटोः 4पीएम

स्कूल चले हम... राजधानी लखनऊ में स्कूल खुल गए हैं। स्कूल खुलने से बच्चों के चेहरे पर उत्साह का माहौल है।

सुल्तानपुर में सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत, तीन घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुल्तानपुर में प्रयाग अयोध्या बाईपास पर गलत दिशा से आ रहे ट्रक ने आज सुबह चौराहा पार कर रहे ई-रिक्शा को रौंद दिया। हादसे में पांच लोग की मौके पर ही मौत हो गई। वो पांचों एक ही गांव के रहने वाले हैं। वहीं तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। मामले की सूचना मिलते ही डीएम रवीश गुप्ता और एसपी सोमेन वर्मा जिला अस्पताल पहुंचे। घायलों का इलाज करने के लिए डॉक्टरों की टीम लगाई गई है।

» ट्रक ने ई-रिक्शा को रौंदा

आरोपी ड्राइवर को अरेस्ट कर लिया गया है। साथ ही शवों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की खबर गांव में पहुंचते ही पूरे गांव में मातम पसर गया। दरअसल, जिले में प्रयाग से अयोध्या की तरफ जा रहा ट्रक बाइपास पर अनियंत्रित हो गया। उसने कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के ओदरा गांव के निकट सन इंटरनेशनल स्कूल के पास ई-रिक्शा को रौंद दिया। ई-रिक्शा सवार सभी लोग गोसाईगंज क्षेत्र के हियातनगर अपने रिश्तेदार के यहां अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। ये हादसा इतना भीषण था कि आस-पड़ोस के लोग मौके की तरफ दौड़ पड़े। फटाफट लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।